



भारत का यज्ञपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 191] नई दिल्ली, सोमवार, मई 1, 1995/वैशाख 11, 1917
No. 191] NEW DELHI, MONDAY, MAY 1, 1995/VAISAKHA 11, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

स्वापक नियन्त्रण व्यापक

प्राधिकारिक संघर्ष

मई दिल्ली, 1 मई, 1995

मा.का.नि. 372(ग्र).—केंद्रीय सरकार, स्वापक औपचारि और मन-प्रभावी पदार्थ आधिकारिक व्यापक नियन्त्रण व्यापक अधिकार मन-प्रभावी पदार्थ (नियोजित पदार्थ का विनियमन) प्रादेश, 1993 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

1. उक्त ग्रादेश में,—

(क) पैरा 5 के स्थान पर, नियतिविन रखा जायेगा:—

“5 नियतिविन पदार्थ का विक्रयः—कोई व्यक्ति जो किसी क्रेता को संव्यवहार में नियतिविन पदार्थ का विक्रय करना है ऐसा विक्रय केवल नभी करेगा जब क्रेता ने किसी विश्रित के प्रधीन औषधीयक अनुरूप या किसी रजिस्ट्रेक्षण प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों को या किसी अन्य समरूप दस्तावेजों को जो उसकी पहचान का मार्गिन करता है पैश करके अपनी पहचान मार्गिन की है और उस प्रयोगन की जिसके लिये नियतिविन पदार्थ का कथ किया जारहा है घोषणा की है।

(ख) “उपनिदेशक” शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ या उक्त ग्रादेश से सलग प्रस्तोता में दर्शित किया गया है, “जोन निदेशक” शब्द रखे जायेगे।

(ग) उक्त ग्रादेश ये संलग्न प्रस्तोता 4 और प्रस्तोता 5 में ‘वह क्षेत्र जिसके भीतर विनिर्माण, विक्रेता, वितरक, आयानकर्ता या नियतिकर्ता का अधिकारी या स्थापन है’ में मञ्चित मन्त्र 2 में क्रम संख्या 2 के सामने ‘राजस्थान राज्य’ शब्दों के स्थान पर ‘राजस्थान भ्रा’ मध्य प्रदेश राज्य’ शब्द रखे जायेंगे।

(घ) उक्त ग्रादेश में संलग्न प्रस्तोता 4 और प्रस्तोता 5 में ‘वह क्षेत्र जिसके भीतर विनिर्माण, विक्रेता, वितरक, आयानकर्ता या नियतिकर्ता का अधिकारी या स्थापन है’ में मञ्चित मन्त्र 2 में क्रम संख्या 5 के सामने की प्राविष्टि में ‘मध्य प्रदेश’ प्रद्वयिगम भ्रा गद्वा का नाम किया जायेगा।

[का. म. 1/101/94-एन. सी. बी. (कांड)]

प.क. श्रीवास्तव, संयुक्त गविधि,

टिप्पण.—मत ग्रादेश, भारत के राजगव, भाग 11, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में का.नि. म. 295(य), तात्पर 24 मार्च, 1993 के लिए प्रकाशित किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Dept. of Revenue)

Narcotics Control Bureau

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st May, 1995

G.S.R. 372(E).—In exercise of the powers conferred by section 9A of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985), the

Central Government hereby makes the following amendment to the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (Regulation of Controlled Substance) Order, 1993, namely :—

1. In the said order,—

(a) for paragraph 5, the following shall be substituted :—

“5. Selling of controlled substance.—Every person who sells a controlled substance to a buyer in any transaction shall sell so only after the buyer establishes his identity by production of a document like industrial licence or any registration certificate under any law or any other similar documents which establishes his identity and upon a declaration being made of the purpose for which the controlled substance is being purchased.”

- (b) for the words ‘Deputy Director’ wherever shown or the Forms appended to the said Order, the words ‘Zonal Director’, shall be substituted.
- (c) in Form 4 and Form 5, appended to the said Order, in Col. 2 relating to “Area within which the office or establishment of the manufacturer, seller, distributor, importer or exporter falls”, against Sl. No. 2, for the words ‘State of Rajasthan’ the words ‘States of Rajasthan and Madhya Pradesh’ shall be substituted.
- (d) in Form 4 and Form 5, appended to the said Order, in Col. 2 relating to “Area within which the officer or establishment of the manufacturer, seller, distributor, importer or exporter falls”, for the entry against Sl. No. 5, the words ‘Madhya Pradesh’ shall be deleted.

[F. No. I|101|94-NCB(COORD)]

A. K. SRIVASTAVA, Jt. Secy.

Foot Note :—The Principal Order was published as G.S.R. No. 295(E) dated 24th March, 1993 in Gazette of India under Part II, Section 3, Sub-Section (i).

